

तलाश का प्रभाग पत्र

श्री गुरु गोदावरी कृष्ण मंदिर, बांधा, बिहार
द्वारा प्रार्थना पत्र में दर्शाये गये श्री गुरु गोदावरी कृष्ण मंदिर
गिम्लिचित सम्पत्ति से सम्बन्धित, रजिस्ट्रीकृत कृत्यों और वारों का विवरण का प्रभाणपत्र के लिये
आवेदन प्रस्तुत किया गया है:-

ପ୍ରକାଶକ ୨୦୮

11-9986 11-9987 11-9988 11-9989

卷之三

के सच्चान्ध में एतद्वारा प्रमाणित करता है कि बही साख्या एक और तत्सच्चिदात् इन्हेकसों की दिनांक १५.८.१९०४ से १५.८.१९०५ तक तलाश की गई और उपरोक्त श्री अश्विनी की लप्पेयक सम्पत्ति को प्रमाणित कर्यात् ताकि उनका या उन का विनाश हो जाए।

मानवांग
मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त कृत्यों और बारों को छोड़कर उक्त सम्पत्ति को प्रभावित करने
वाले कोई अन्य कृत्य या बार नहीं पाये गये।

1—इस प्रमाणपत्र में वे बार या कृत्य दिखाये जायेंगे जो आवेदक द्वारा दिये गये सम्पत्ति के ब्यारे के आधार पर ढूँढ़े गये। यदि रजिस्ट्रीफूट लेखपत्र में सम्पत्ति को आवेदन में दिये गये वर्णन से किसी दूसरे ढंग से वर्णित किया गया हो तो ऐसे लेखपत्रों से प्राप्त सूचना को प्रमाणपत्र में दर्ज नहीं

24-वाचित तलाश कार्यलय द्वारा यथासम्बव सावधानी के साथ की गई है और विभाग प्रमाणपत्र में भागिल सूचना के लिये उत्तरदायी न होगा।

3-इस प्रमाणपत्र में उन लेखपत्रों से सम्बन्धित सूचना भागिल नहीं है जो प्रस्तुत हो चुके हैं परन्तु इनका आज की तारीख तक गणितपत्रीकरण नहीं करा दिया गया है।

१३८

तलाशकर्ता का नाम और पदनाम अमृता देव

卷之三

प्रधाणपत्र तथारक्ता का नाम आर पदनाम.....

प्रभाण्यत्वं प्रदत्ताणि विधिक के द्वयाक्षर

卷之三

प्रमाणपत्र परीक्षणकर्ता लिपिक के हस्ताक्षर

उप निबन्धक
उत्तराखण्ड (मध्यमै) ८७
ग्रन्थावली मध्य